शनिवार

09 मई 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 105
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

पहाड़ों की रानी नहीं, जामों की महारानी

हमारे संवाददाता

देहरादून। सेकंड सैटरडे व वीक एंड पर आज सुबह नौ बजे से पूरा मसूरी शहर जाम के झाम से परेशान रहा। किंगक्रेग से गांधी चौक होते हुए जीरो प्वाइंट तक चार किमी लंबे लगे जाम में वाहन रेंगते हुए चलते रहे।

यूं तो पहाड़ों की रानी मसूरी में गर्मियों के सीजन में पर्यटको की भरमार रहती है। जिस कारण स्थानीय लोगों के साथ ही पर्यटको को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। हालांकि वीकएंड पर यह परेशानी अपना विकराल रूप धारण कर लेती है। शहर में उपलब्ध क्षमता से अधिक वाहन पहुंचने से पुलिस के यातायात प्रबंन्धन के दावे धरे के धरे रह जाते है। ऐसे में यह सवाल उठना भी लाजमी है कि जब वीकएंड पर ही यातायात का यह हाल हो रहा है तो पर्यटन के पीक सीजन में क्या होगा?

आज वीक एंड व सेकंड सैटरडे होने की वजह से माल रोड पर लाइब्रेरी बैरियर से कार्निवल सिनेमा, मैसानिक बस स्टैंड से पिक्चर पैलेस , अपर मॉल रोड, घंटाघर तक, मल्लिंगार से चार दुकान तक वाहन रेंगते हुए चलते रहे। जिस कारण पर्यटको के साथ ही स्थानीय लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़।

शनिवार को छुट्टी के कारण मसूरी देहरादून और मसूरी धनोल्टी मार्ग पर यातायात का बहुत दबाव रहा। लाइब्रेरी बाजार में तो पैदल चलना भी दूभर हो गया। यातायात जाम के कारण शनिवार सुबह बच्चे देर से स्कूल पहुंचे और छुट्टी होने के बाद भी दो से तीन घंटे लेट घर पहुंचे है। हालांकि प्रशासन का हर समय यही दावा रहता है कि इस समस्या का समाधान जल्द कर लिया जायेगा। लेकिन समाधान कब होगा यह आने वाला समय ही बतायेगा।

युवक का अपहरण कर लूटा फिर पुल से फेंका

हमारे संवाददाता

देहरादून। प्रेमनगर क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक 23 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर के साथ लूट और मारपीट का मामला सामने आया है। पहले तो दो बदमाशों ने युवक का अपहरण कर लिया फिर उसके साथ मारपीट कर सारा सामान लूट लिया साथ ही लुटेरों ने जामुनवाला पुल से युवक को नीचे नदी में फेंक दिया। वारदात में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और पूरी रात नदी किनारे पत्थरों के बीच जिंदगी-मौत से जूझता रहा। सुबह लोगों द्वारा उसे बचाया गया साथ ही अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार शिवाजी मार्ग, कांवली रोड निवासी विनोद कुमार के पुत्र आकाश कुमार आईटी पार्क की एक प्रतिष्ठित कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं। उनकी ड्यूटी शाम 6 बजे से रात 2 बजे तक रहती है। गुरुवार रात करीब 2:15 बजे जब आकाश सहस्रधारा क्रॉसिंग पर घर जाने के लिए ऑनलाइन बाइक बुक कर रहे थे, तभी स्कूटी सवार दो युवकों ने उन्हें जबरन अपने साथ स्कूटी पर बिठा लिया। आरोपी युवक को घंटाघर, बिंदाल पुल और गढ़ी कैंट क्षेत्र से होते हुए जामुनवाला पुल तक ले गए। वहां उन्होंने आकाश के साथ बुरी तरह मारपीट की और उसके बैग, दो मोबाइल फोन तथा पर्स में रखे करीब 700 रुपये लूट लिए। इसके बाद दोनों बदमाशों ने युवक को पुल से नीचे नदी में धकेल दिया। गिरने की वजह से आकाश की रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया। गंभीर चोटों के बावजूद आकाश नदी किनारे पत्थरों के बीच फंसे हुए थे। घायल अवस्था में वह पूरी रात वहां पड़े रहे। बीती सुबह आसपास के स्थानीय लोगों को उनकी आवाज सुनाई दी, जिन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। युवक को तत्काल दून अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टर्स के अनुसार आकाश की रीढ़ में गंभीर चोट है। वह अभी शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह सामान्य नहीं हैं, जिस कारण घटना की पूरी जानकारी नहीं दे पा रहे हैं। पीड़ित के पिता विनोद कुमार ने थाना प्रेमनगर में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

सवालों के घेरे में कानून व्यवस्था

उत्तराखंड की कानून व्यवस्था पर यूं तो लंबे समय से सवाल उठाए जाते रहे हैं विपक्ष कांग्रेस के नेताओं द्वारा इस मुद्दे को लेकर सड़कों से लेकर सदन तक घेराबंदी की जाती रही है लेकिन अभी हाल ही में प्रकाश में आई दो घटनाएं चर्चाओं के केंद्र में है जो यह बताती है कि राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति किस हद तक बिगड़ चुकी है तथा जनता की सुरक्षा के लिए बनी पुलिस किस तरह से सत्ता के अनुकूल हो चुकी है। पहली घटना मुख्यमंत्री धामी के गृह जनपद चंपावत से है जहां कक्षा 10 में पढ़ने वाली एक छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया जिसमें सत्ताधारी दल भाजपा के कुछ पदाधिकारी व नेताओं के शामिल होने की बात सामने आई है। इस बाबत कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर लोगों ने देखा होगा जिसमें वह राज्य के सीएम तथा पुलिस महानिदेशक व चंपावत के अधिकारियों से पीड़िता की मदद करने की अपील कर रहे हैं। इस मुद्दे पर कांग्रेस की अलका लामा और कांग्रेस नेत्री गरिमा दसौनी ने अपनी पत्रकार वार्ता में भाजपा के चाल चरित्र और चेहरे पर कई तरह के सवाल दागते हुए पूछा है कि क्या बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ का नारा देने वाली पार्टी इन आरोपियों को जिनका रसूक भाजपा से है इस बेटी को न्याय दिलाएगी उन्होंने अपनी बात सामने रखते हुए अंकिता भंडारी मर्डर केस से लेकर उन तमाम अन्य महिला अपराध की घटनाओं पर भी चिंता जताई है जो भाजपा के नेताओं से जुड़ी रही हैं। उन्होंने भाजपा पर देवभूमि को कलंकित करने का आरोप लगाते हुए भाजपा सरकार को इन अपराधियों को संरक्षण देने की बात कही है। दूसरी घटना सतपुली क्षेत्र की है जिसमें एक दलित 20 वर्षीय युवक को पुलिस द्वारा इतनी बेरहमी से पीटा गया कि वह अधमरा हो गया पुलिस उत्पीड़न से आहत युवक ने पुल से लटक कर आत्महत्या कर ली है। युवक का अपराध यह था कि उसकी बाइक का पहिया भाजपा नेता के पैर से टकरा गया। यह मामला भी इतना ज्यादा तूल पकड़ गया कि गणेश गोदयाल और क्षेत्र के लोगों को सतपुली थाने पर धरना प्रदर्शन करना पड़ा। भले ही लोगों को यह लगे कि इस तरह की घटनाएं बहुत मामूली सी बात है तथा विपक्ष कांग्रेस इन घटनाओं पर राजनीति कर रहा है लेकिन बीते समय में महिलाओं के यौन उत्पीड़न तथा दलित उत्पीड़न के तमाम ऐसे मामले सामने आ चुके हैं जो इस बात को साफ करते हैं कि इन अपराधों से भाजपा और उसके नेताओं का या तो सीधा संबंध रहा है या फिर सत्ता में बैठे लोगों का इन अपराधियों को संरक्षण प्राप्त हो रहा है। बीते कुछ सालों में जिस तरह से अपराधों की बाढ़ आई है उसका सच किसी से छुपा नहीं है। पूरे प्रदेश की तो बात ही क्या है अगर राजधानी दून के अपराधों पर ही गौर करें तो लगभग आधा दर्जन से अधिक हत्याओं के मामले प्रकाश में आ चुके हैं। आए दिन दिनदहाड़े गोलियों से किसी को भी भून दिया जाता है सरे बाजार चपड़ से किसी का भी गला काट दिया जाता है। किसी सर्राफ के शोरूम से करोड़ों की डकैती हो जाती है। निश्चित तौर पर राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था एक गंभीर समस्या और चुनौती बन चुकी है हत्याओं लूटपाट व बलात्कार की घटनाओं की जिस तरह से बाढ़ आ चुकी है वह अत्यंत ही चिंतनीय है। खास बात यह है कि अब शासन-प्रशासन अपराधों पर नियंत्रण के मामले में फेल साबित होता दिख रहा है उससे भी चिंतनीय बात यह है कि पुलिस सिर्फ उन्हीं मामलों पर गौर करती है जो सरकार या भाजपा के नेता व कार्यकर्ताओं की सुरक्षा या उनके बचाव से जुड़े होते हैं।

श्मशान भूमि पर पेयजल योजना की डीपीआर की जाये निरस्तः शर्मा

हमारे संवाददाता

देहरादून। चंद्रमणि श्मशान भूमि पर प्रस्तावित पेयजल योजना की डीपीआर निरस्त करने की मांग को लेकर अखिल भारतवर्षीय ब्रहाम्ण महासभा उत्तराखण्ड द्वारा मुख्यमंत्री व जिलाधिकारी देहरादून को प्रार्थना पत्र भेजा गया है।

अखिल भारतवर्षीय ब्राहाम्ण महासभा उत्तराखण्ड के अध्यक्ष मनमोहन शर्मा ने बताया कि चंद्रमणि श्मशान भूमि पर प्रस्तावित पेयजल योजना की डीपीआर निरस्त करने के लिए उन्होने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व डीएम सविन बंसल को प्रार्थना पत्र भेजा है। उन्होने कहा कि प्रस्तावित पानी का ट्यूबवेल-टैंक श्मशान घाट की भूमि पर है। यह भूमि राजस्व अभिलेखों में मरघट दर्ज है और मृत शरीरों से जुड़ी है। ऐसी भूमि का पानी जनमानस के लिए शुद्ध नहीं हो सकता, यह हिंदू संस्कृति और जनभावनाओं के विरुद्ध है। कहा कि सरकार को हठधर्मिता से पैसे का दुरुपयोग कर लोगों के जीवन से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए।

महासभा द्वारा चेतावनी दी गयी है कि यदि डीपीआर जल्द निरस्त नहीं की गई तो ब्राह्मण महासभा और जनमानस आंदोलन करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से अध्यक्ष मनमोहन शर्मा, अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा उत्तराखंड लालचंद शर्मा मुकुल शर्मा सीताराम नौटियाल मनोज शर्मा पियूष गॉड विजेंद्र प्रसाद ममगई रजनी रमेश मांगू सुभाष धस्माना सतीश शर्मा, संजय, अशोक मिश्रा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

विस चुनाव 2027 के संभावित मुद्दे (भाग-4)

राज्य गठन के 25 साल बाद भी अधूरा है सपना, विकास में पिछड़ा पहाड़

शहर 'चमक' रहे और पहाड़ हो रहे हैं 'खाली'

●विकास की असंतुलित राह बन सकती है इस विस चुनाव में चुनौती
●पलायन, बेरोजगारी और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी से आमजन नाराज
●सीमांत जिलों में खाली होते गांव, सरकारों के दावों पर उठा रहे सवाल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड राज्य स्थापना के ढाई दशक बाद भी पहाड़ का पानी और पहाड़ की जवानी का नारा आज भी एक कड़वी हकीकत के रूप में सामने है। आगामी 2027 के विधानसभा चुनावों की आहट के बीच विकास में असमानता फिर से एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनकर उभर सकता है। राज्य के मैदानी जिलों की चमक-धमक और पर्वतीय क्षेत्रों की बुनियादी सुविधाओं के बीच बढ़ती खाई ने नीति-नियंताओं पर सवाल खड़े कर रही हैं।

आंकड़े बताते हैं कि उत्तराखंड का विकास मुख्य रूप से तीन मैदानी जिलोंकृदेहरादून, हरिद्वार और ऊधमसिंह नगरकृतक सिमट कर रह गया है। राज्य की जीडीपी में इन तीन जिलों का योगदान 70 प्रतिशत से अधिक है। राजधानी देहरादून, हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जैसे मैदानी जिलों में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और उद्योगों का तेजी से विस्तार हुआ है। वहीं दूसरी ओर पिथौरागढ़, चमोली, उत्तरकाशी और बागेश्वर जैसे पर्वतीय जिलों में आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए लोगों को संघर्ष करना पड़ रहा है। गांवों से लगातार हो रहा पलायन इस असमान विकास की सबसे बड़ी तस्वीर पेश करता है।

पहाड़ के लोगों का आरोप है कि सरकारें चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे तो करती हैं, लेकिन योजनाओं का अधिकांश लाभ मैदानी क्षेत्रों तक सीमित रह जाता है। रोजगार के अवसर, बेहतर अस्पताल, उच्च शिक्षा संस्थान और उद्योग आज भी पहाड़ों में सपना बने हुए हैं। यही वजह है कि हजारों गांव खाली हो चुके हैं और युवा रोजगार की तलाश में शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं।

राज्य के सिडकुल क्षेत्रों का विस्तार केवल मैदानों तक सीमित रहा। पहाड़ी क्षेत्रों में छोटे उद्योगों या फलोद्यान को बढ़ावा देने के लिए वैसी ठोस नीतियां नहीं दिखीं, जो युवाओं को घर पर रोक सकें। पर्यटन के क्षेत्र में भी)षिकेश और नैनीताल जैसे चुनिंदा केंद्रों पर ही दबाव बढ़ रहा है, जबकि दूरस्थ क्षेत्रों के पर्यटन स्थल बुनियादी सुविधाओं के अभाव में गुमनाम हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस बार मतदाता केवल सड़क के वादे पर वोट नहीं देगा। अब मांग समान विकास की है। इस बढ़ती असमानता ने ही सख्त भू-कानून की मांग को जन्म दिया है, ताकि पहाड़ की संपदा सुरक्षित रह सके। इसके साथ ही पर्वतीय क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी और प्रशासनिक सेवाओं की सुगमता एक बड़ा मुद्दा है। मैदानों में खेती के लिए संसाधन हैं, लेकिन पहाड़ों में बंदरों और सुअरों के आतंक के कारण लोग खेती छोड़ रहे हैं, जिससे आर्थिक असमानता और गहरी हो रही है।

राज्य गठन के 25 साल बाद भी पहाड़ और मैदान के बीच विकास की खाई कम होने के बजाय और गहरी होती दिखाई दे रही है। यही कारण है कि आगामी विधानसभा चुनाव में यह मुद्दा राजनीतिक दलों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन सकता है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि 2027 के चुनाव में संतुलित विकास एक बड़ा चुनावी नारा बन सकता है। विपक्ष जहां सरकार को पहाड़ों की अनदेखी का आरोप लगाकर घेरने की तैयारी में है, वहीं सत्ताधारी दल विकास कार्यों की लंबी सूची गिनाकर जनता को साधने की कोशिश करेगा।

खेती छोड़ने को मजबूर पहाड़ के लोग, जंगली जानवर बने संकट

दिन में 'बंदर' और रात को 'सुअर'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुझे अपने बचपन के वह दिन याद हैं जब पहाड़ छोटे-छोटे खेतों में जब सुबह की पहली किरण पड़ती थी, तो कभी यहाँ हरियाली मुस्कुराती थी। कोदा, झंगोरा और गहत की महक से मन तृप्त होता था। लेकिन आज मंजर बदल चुका है। अब पहाड़ में सुबह लोग हल की मूंठ नहीं थामते, बल्कि हाथ में गुलेल और पत्थर लेकर बंदरों को भगाने के साथ सुबह की शुरूआत होती है।

बता दें कि पहाड़ की सुबह कभी खेतों में हरियाली, बैलों की घंटियों और धान-गेहूं की खुशबू से शुरू होती थी। गांव की महिलाएं पहाड़ के पगडंडियों वाले खेतों की ओर निकलती थीं और यहां के पुरूष अपनी मेहनत से पत्थरों के बीच अनाज बोते थे। लेकिन आज वही खेत सूने पड़े हैं। बंदरों और जंगली सुअरों ने पहाड़ और पहाड़ के लोगों की बची-खुची उम्मीद भी रौंद दी है।

उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों में खेती अब संघर्ष बन चुकी है। किसान दिन-रात मेहनत कर फसल तैयार करता है, लेकिन कटाई से पहले ही बंदरों के झुंड और जंगली सुअर खेतों में घुसकर सब कुछ बर्बाद कर देते हैं। मक्का, गेहूं, आलू, मंडुवा और सब्जियां अब इंसानों से ज्यादा जंगली जानवरों का भोजन बन रही हैं।

रुद्रप्रयाग जिले के रूमसी गांव के जगतराम कहते हैं अब खेती नहीं, जंग

लड़ रहे हैं। यह दर्द अकेले उनका नहीं, बल्कि पूरे उत्तराखंड के पहाड़ी अंचल का है। दिन के उजाले में बंदरों की टोली हमला करती है। वह केवल अनाज नहीं

●दिन में बंदरों पर पहरा, रात को सुअरों का आतंक
●पलायन के बीच खेती बचाना ग्रामीणों की चुनौती
●जंगली जानवरों से प्रभावित है पहाड़ के सभी गांव

खाते, बल्कि फसल को तहस-नहस कर देते हैं। छोटे-छोटे बच्चों की तरह पाली गई पौध को जब बंदर उखाड़ कर फेंक देते हैं, तो किसान की आंखों में आंसू नहीं, एक गहरी शून्यता उतर आती है।

सूरज ढलते ही जंगली सुअर सामने आ जाते है। टिन के कनस्तरों को पीटकर सुअरों को भगाने की कोशिश होती है, लेकिन अक्सर सुअर कुछ ही मिनटों में पूरी मेहनत को मिट्टी में मिला देते हैं। आज पहाड़ में जंगली जानवरों के डर से खेती छोड़ने वाले परिवारों की संख्या बढ़ती जा रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि पहले जंगल और गांव के बीच संतुलन था, लेकिन अब जंगलों का दायरा बदलने और मानव हस्तक्षेप बढ़ने से जंगली जानवर आबादी की ओर आने लगे हैं। आज के समय में स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि कई गांवों में लोगों ने खेती छोड़ दी है, जो खेत कभी अन्न उगाते थे, वहां अब घास और झाड़ियां नजर आती हैं। गांव की बूढ़ी आंखें आज भी उस दौर को याद करती हैं, जब पहाड़ आत्मनिर्भर था और खेत जीवन की पहचान थे। अगर ऐसा ही रहा तो आने वाली पीढ़ियां पहाड़ के खेतों को केवल किताबों में ही हरे-भरे देखने और पढ़ने के लिए मजबूर हो जाएगी।

कलेक्ट्रेट परिसर में अग्नि सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल आयोजित

अल्मोड़ा(आरएनएस)। पुलिस महानिरीक्षक अग्निशमन एवं आपात सेवा उत्तराखंड के निर्देश तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा के आदेश पर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित विकास भवन में अग्नि सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। कार्यक्रम मुख्य अग्निशमन अधिकारी नरेंद्र सिंह कुंवर और प्रभारी फायर स्टेशन मुकेश चंद्र चतुर्वेदी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। मॉक ड्रिल के दौरान कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में बचाव और प्राथमिक अग्निशमन उपकरणों के उपयोग की जानकारी दी गई। प्रभारी फायर स्टेशन मुकेश चंद्र चतुर्वेदी ने कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इधर अग्निशमन केंद्र अल्मोड़ा की ओर से फायर ऑडिट अभियान के तहत अल्मोड़ा पेट्रोल पंप, शहीद हरीश देवड़ी पेट्रोल पंप पांडेखोला, पंजाब नेशनल बैंक और पवन होटल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अग्निशमन उपकरणों की जांच की गई, जो कार्यशील स्थिति में पाए गए।

कूड़ा निस्तारण के लिए लाखों खर्च, फिर भी नही हटा कूड़ा

उत्तरकाशी(आरएनएस)। पालिका बाड़ाहाट की ओर से तिलोथ पावर हाउस के समीप कूड़ा निस्तारण केंद्र के नाम पर 4० लाख की धनराशि खर्च कर दी गई है लेकिन वहां पर समतलीकरण और दीवारों के निर्माण के बाद कार्य अधर में लटका है। नगर पालिका बाड़ाहाट की ओर से ताबांखानी से नया कूड़ा हटाने के बाद तिलोथ में कूड़ा निस्तारण केंद्र निर्माण के दावे किए गए लेकिन पालिका करीब डेढ़ वर्ष बाद भी कूड़ा निस्तारण के लिए ठोस योजना तैयार नहीं कर पाया है। पालिका की ओर से गत वर्ष तिलोथ में निर्माण के नाम पर 4० लाख खर्च कर दिए गए लेकिन वहां पर समतलीकरण और दीवारों का ही निर्माण किया गया। पालिका को इसके लिए पेयजल निगम, ग्रामीण निर्माण विभाग और लोनिवि से तकनीकी स्वीकृति लेनी है। इसमें अभी लोनिवि की ओर से तकनीकी स्वीकृति नहीं मिली है। वहां से स्वीकृति मिलने के बाद ही इस पर आगे कार्रवाई हो पाएगी। दूसरी ओर अब पालिका को बीआरओ की ओर से भी सड़क खाली करने के लिए कहा गया है।

होमस्टे योजना के तहत 15 लाख तक की सहायता मिलेगी

अल्मोड़ा(आरएनएस)। दीन दयाल उपाध्याय गृह आवास (होमस्टे) योजना के तहत जनपद में होमस्टे निर्माण के लिए पर्यटन विभाग की ओर से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को 5० प्रतिशत अथवा अधिकतम 15 लाख रुपये तक की राजसहायता तथा 5० प्रतिशत अथवा अधिकतम 1.5० लाख रुपये तक ब्याज राजसहायता पांच वर्षों तक प्रदान की जाएगी। उप निदेशक पर्यटन प्रकाश सिंह ने बताया कि योजना का लाभ लेने के इच्छुक उत्तराखंड के स्थायी निवासी मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के विभागीय पोर्टल द्वह्य4.ह्वद्म.द्ग1.द्बठ्ठ पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के बाद सभी आवश्यक अभिलेखों सहित आवेदन पत्रावली की दो प्रतियां किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 1० बजे से सायं 5 बजे तक जिला पर्यटन विकास अधिकारी कार्यालय, नियर होली-डे-होम, अल्मोड़ा में जमा करनी होंगी। उन्होंने बताया कि योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए कार्यालय के दूरभाष नंबर ०5962-23०18० पर संपर्क किया जा सकता है।

पेयजल निगम ने 397.5 मीटर सड़क को गड्ढा मुक्त किया

हरिद्वार(आरएनएस)। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशों पर परियोजना प्रबंधक निर्माण एवं अनुरक्षण इकाई गंगा उत्तराखंड पेयजल निगम के कर्मचारियों ने शहर में 397.5 मीटर टूटी सड़कों को गड्ढा मुक्त किया। इस दौरान शहर की 11 सड़कों पर पैच वर्क किया गया।परियोजना प्रबंधक मिनाक्षी मित्तल ने बताया कि केएफडब्लयू वित्त पोषित हरिद्वार जलोत्सारण योजना पैकेज एक और पैकेज दो की सड़कों का पुनर्निर्माण काम गतिमान है। शहर की अन्य टूटी सड़कों का मरम्मत काम भी जल्द पूर्ण किया जाएगा।

योग से निरोगी जीवन की ओर बढ़ रहे कदम- श्रीधर शर्मा

ऋषिकेश(आरएनएस)। स्वस्थ शरीर और शांत मन के लिए योग को सबसे प्रभावी माध्यम बताते हुए राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय आरोग्य मंदिर में प्रतिदिन निशुल्क योग प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। योग अनुदेशक श्रीधर शर्मा की निगरानी सुबह आयोजित होने वाले इस योग सत्र में बड़ी संख्या में लोग उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। योग शिविर में लोगों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम, ध्यान एवं स्वास्थ्यवर्धक क्रियाओं का अभ्यास कराया जा रहा है। योग अनुदेशक श्रीधर शर्मा ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने की कला है। नियमित योग करने से शरीर रोगमुक्त और मन सकारात्मक रहता है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग बेहद आवश्यक हो गया है। योग के माध्यम से मधुमेह, उच्च रक्तचाप, तनाव, मोटापा समेत कई बीमारियों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

स्वच्छता पर सख्त जिलाधिकारी, डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण हर हाल में सुनिश्चित करने के निर्देश

बागेश्वर(आरएनएस)। जनपद में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक में नगर निकायों और संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए। बैठक में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण, लीगेसी वेस्ट निस्तारण तथा प्लास्टिक उन्मूलन अभियान की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनपद के प्रत्येक घर से नियमित रूप से कूड़ा संग्रहण सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी क्षेत्र में लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने नगर निकायों को शत-प्रतिशत डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था लागू करने के निर्देश देते हुए नागरिकों को कचरा पृथक्करण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान संचालित करने को कहा।

बैठक के दौरान बागेश्वर एवं गरुड़ नगर निकायों में लीगेसी वेस्ट निस्तारण हेतु भूमि चयन की प्रक्रिया पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने संबंधित उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि एक सप्ताह के भीतर भूमि चयन की कार्रवाई पूर्ण कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, ताकि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था को समयबद्ध और प्रभावी बनाया जा सके।

स्वच्छता अभियान को और अधिक कठोर बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ने सिंगल यूज प्लास्टिक एवं प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री के विरुद्ध चल रही कार्रवाई को तेज करने के निर्देश दिए। साथ ही मुख्य विकास अधिकारी को नगर पंचायत कपकोट में स्थापित कॉम्पैक्टर प्लांट का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का मूल्यांकन करने के आदेश भी दिए गए।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों को अंतिम चेतावनी देते हुए कहा कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप राजस्व एवं यूजर चार्ज कलेक्शन हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि लक्ष्य पूर्ति में विफल रहने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त जिला पंचायत को सभी प्रमुख पर्यटक स्थलों पर नियमित साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

बैठक में आदित्या रत्ना, एन एस नबियाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं नगर निकायों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

छात्रों का डीएसओ कार्यालय परिसर में प्रदर्शन

चमोली(आरएनएस)। रसोई गैस की किल्लत पर छात्र-छात्राओं ने बृहस्पतिवार को जिला पूर्ति अधिकारी कार्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। कहा गया कि उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे युवा-युवतियों को सिलिंडर के लिए भटकना पड़ रहा है। मजबूरी में होटलों में खाना खाना पड़ रहा है। उन्होंने जिलाधिकारी से भेंटकर ज्ञापन सौंपा और डीएसी की बाध्यता समाप्त करने और 25 दिन बाद उपभोक्ताओं को शीघ्र सिलिंडर उपलब्ध कराने की मांग की। बृहस्पतिवार को करीब 12 बजे छात्र यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सूर्य प्रकाश पुरोहित के नेतृत्व में जिला पूर्ति विभाग परिसर पहुंचे और प्रदर्शन किया। डीएसी की बाध्यता होने के कारण लोगों को गैस सिलिंडर नहीं मिल पा रहे हैं। पूर्ति विभाग एवं संबंधित गैस एजेंसियों की ओर से अब तक ऐसा कोई रोस्टर जारी नहीं किया गया है जिससे लोगों को यह जानकारी मिल सके कि किस क्षेत्र में कब गैस वितरण किया जाएगा। छात्रों ने जिलाधिकारी से भेंटकर हर क्षेत्र में गैस वितरण की तिथि एवं स्थान की पूर्व सूचना सार्वजनिक करने, संबंधित अधिकारियों व गैस एजेंसियों को व्यवस्था सुधारने के लिए निर्देश देने, ग्रामीण क्षेत्रों में समयबद्ध गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की गई। इस मौके पर किशन बर्त्वाल, पंकज, सुनील, अनिल, मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

आपदा उपकरणों का स्टॉक चेक कर बदलें खराब सामग्री - सीडीओ

नई टिहरी(आरएनएस)। प्रभारी डीएम/ सीडीओ वरुणा अग्रवाल ने मानसून की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। नगर निकायों के अधिकारियों को 1० दिनों के भीतर अपने-अपने क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर बंद नालियों को खुलवाने, फॉगिंग अभियान शुरू करने, जलभराव रोकने और रैन बसेरों को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रभारी डीएम अग्रवाल ने आगामी मानसून को लेकर अधिकारियों से जानकारी ली। नालियों की नियमित सफाई, झाड़ी कटान, जल निकासी व्यवस्थाओं को समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जाए। उन्होंने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे कार्यों को जल्द पूरा करने और मरम्मत कार्यों को 3० मई तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत, एडीएम शैलेंद्र नेगी, आईएएस (प्रशिक्षु) ज्योति, गणेश नौटियाल, कोमल सिंह, दर्मियान सिंह, नैना रावत,प्रीतम सिंह आदि मौजूद रहे।

गर्भवती को समय पर नहीं पहुंचाया गया सीएचसी बेलेश्वर

नई नई टिहरी(आरएनएस)। स्वास्थ्य विभाग ने पेटदर्द और उल्टी-दस्त से पीड़ित पोखार निवासी गर्भवती महिला की मौत पर उठाए गए सवाल निराधार बताए हैं। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि सीएचसी बेलेश्वर में प्राथमिक उपचार के दौरान मरीज को रेफर करने की स्थिति में एंबुलेंस मौजूद थी। महिला की तबीयत खराब होने के बाद मरीज को सीएचसी में दिखाने के बजाए प्राइवेट क्लीनिक ले गए। चिकित्साधिकारी डॉ. शिव प्रसाद भट्ट ने मरीज की स्थिति को गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर करने की सलाह दी। परिजन पहले मरीज को निजी वाहन से ले जाने पर विचार करते रहे। उसके बाद एंबुलेंस मांगी गई। सीएमओ डॉ. श्याम विजय का कहना है कि जिले में सभी विशेषज्ञ चिकित्सक नियुक्त हैं। ईएनटी भी शीघ्र मिलने की उम्मीद है। रेडियोलॉजिस्ट के लिए रोस्टर बनाया गया है। अक्सर परिजनों की लापरवाही के कारण मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाता है। पहले से चल रही दिक्कत की जानकारी भी चिकित्सक को देनी चाहिए। आरती की मौत का कारण इकटॉपिक भी माना जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

रडू-मुंधोल मार्ग पर परिवहन विभाग चलाए बस

विकासनगर(आरएनएस)। जेपीआरआर राष्ट्रीय राजमार्ग से खत देवघार को जोड़ने वाले रडू मुंधौल मोटर मार्ग पर स्थानीय ग्रामीणों ने यातायात के लिए परिवहन निगम की बस संचालन के लिए एमडी परिवहन निगम को ज्ञापन प्रेषित किया है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में परिवहन विभाग की बस चलने से लोगों को यातायात सुविधा मिल सकेगी।

ग्रामीणो ने एमडी को प्रेषित ज्ञापन मे लिखा है कि त्यूणी- चांदनी पुल जेपीआरआर राष्ट्रीय राजमार्ग से रडू मुंधौल मोटर मार्ग 18 किलोमीटर पर लखवाड, मनोहर, रडू, हरटाड, मुंधौल, मनेवटी, कुडोग, थगाड, थमाडा आदि गांवों के लोग यातायात सुविधाओं से वंचित हैं। कहा कि त्यूणी क्षेत्र के उक्त गांवों की करीब ढाई हजार से तीन हजार की आबादी हिमाचल के मार्ग पर आवागमन करती है।

लेकिन बस सेवा न होने के कारण पांच हजार की आबादी को लोडर वाहनों पर लटकर आवागमन करना पड़ता है। कहा कि उक्त मार्ग पर यदि परिवहन विभाग की बस सेवा शुरु की जाती है तो पांच हजार से आधिक की आबादी को बस संचालन से फायदा होगा। कहा कि रडू मुंधौल मोटर मार्ग पर जहा उतराराखंड के सीमांत गांव को यातायात सुविधा मिलेगी वही सीमा से लगे हिमाचल प्रदेश के एक दर्जन गांव को भी यातायात के लाभ मिलने से परिवहन निगम को भी अच्छा राजस्व मिलेगा।

रडू के प्रधान अशोक कुमार ने बताया कि तीन बार उच्चाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से बस संचालन की मांग की गई, लेकिन अभी तक परिवहन निगम ने कोई सुध नहीं ली। ज्ञापन प्रेषित करने वालो में तिलक राणा, कल्याण सिंह, बलबीर सिंह, सैन सिंह, राहुल, सुजाइक, लायकराम, दीपचंद जोशी, प्रताप सिंहजोशी, सुरेंद्र कुंवर सिंह, चंदन सिंह, बबलू, विक्रम, संदीप राणा आदि शामिल रहे।

इस तरह चुनें अपने लिए बेस्ट टूथब्रश ताकि बनी रहे दांतों और मसूड़ों की सेहत

टूथब्रश ऐसी चीज है जिसकी जरूरत तो हमें रोज होती है लेकिन इसे खरीदने की बारी आती है तो सबसे ज्यादा लापरवाही भी लोग इसी को लेकर करते हैं। कई लोग सस्ते के चक्कर में पड़ जाते हैं तो कुछ पॉप्युलर विज्ञापन देख बस उसी का ब्रश खरीद लेते हैं। टूथब्रश खरीदने के दौरान अगर कुछ बातों का ध्यान रखेंगे तो यकीन मानिए आप इस तरह का ब्रश ले सकेंगे जो आपके दांतों की ज्यादा बेहतर तरीके से सफाई कर सकेगा।

इस तरह के ब्रिसल्स हैं बेस्ट

यह कई स्टडीज में भी प्रूव हो चुका है कि बेस्ट टूथब्रश वही है जिसके ब्रिसल्स सॉफ्ट हों। ऐसे ब्रिसल्स दांतों को ज्यादा बेहतर तरीके से साफ करने में मदद के साथ ही मसूड़ों को भी डैमेज नहीं करते हैं। वहीं अगर ब्रिसल्स हार्ड होंगे तो मसूड़े छिल सकते हैं जो ब्लीडिंग की समस्या को जन्म देगा। इतना ही नहीं यह सेंसिटिविटी की प्रॉब्लम को भी बढ़ा देता है।

कैसा हो टूथब्रश हेड

ऐसा टूथब्रश लें जिसका हेड पार्ट चौड़ा नहीं बल्कि पतला हो। नैरो हेड होने से ब्रेश ज्यादा अंदर तक जाते हुए सबसे पीछे के दांतों को भी साफ कर पाता है, वहीं ब्रश का सिरा चौड़ा हो तो पीछे के दांतों पर प्लॉक जमा का जमा रह जाता है जो सड़न की वजह बन सकता है।

ग्रिप वाले ब्रश

मार्केट में कई तरह के ब्रश आते हैं जिनमें से कुछ में रबर ग्रिप होती है और कुछ में नहीं। बेहतर चॉइस ग्रिप वाले ब्रश हैं क्योंकि ये पकड़ को बनाए रखने में मदद करते हुए दांतों को बेहतर तरीके से साफ करने में मदद करते हैं।

बच्चों के लिए चुनें सही साइज

बच्चों के लिए अगर ब्रश चुन रहे हैं तो किड्स के लिए आने वाले टूशब्रश ही लें। ये ब्रश खासतौर पर चिल्ड्रन के लिए डिजाइन होते हैं ताकि मुंह की सफाई भी हो जाए और बच्चे के दांतों या मसूड़ों को किसी तरह का नुकसान भी न पहुंचें।

बिना ब्रैंड का ब्रश

बिना ब्रैंड नेम का ब्रश लेने की भूल न करें। इस तरह के ब्रश के ब्रिसल्स से लेकर किसी चीज की टेस्टिंग नहीं हुई होती है और इन्हें महज बेचने के लिहाज से बाजार में उतारा जाता है। ऐसे में यह गम्स हेल्थ के लिए नुकसानदेह साबित हो सकते हैं।

सिर्फ पॉप्युलैरिटी पर न जाएं

अक्सर लोग ऐसे ब्रश ले लेते हैं जिनका मार्केट में जमकर प्रचार हो रहा होता है, लेकिन ऐसा करना सबसे बड़ी गलती है। ऊपर लिखे पॉइंट्स को ध्यान में रखें और उसी के आधार पर अपने लिए सही टूथब्रश का चुनाव करें ताकि आपके दांतों और मसूड़ों की सेहत बरकरार रहे।

डिलीवरी के बाद क्यों जरूरी होता है मालिश करवाना

प्रेगनेंसी के नौ महीने महिलाओं के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से काफी थकाऊ और चुनौतीपूर्ण होते हैं। गर्भावस्था खत्म होने पर डिलीवरी के बाद भी इससे उबरने में महिलाओं को समय लगता है। डिलीवरी के बाद जल्दी रिकवर करने के लिए मालिश करने की सलाह दी जाती है। डिलीवरी के बाद मालिश से उन मांसपेशियों और ऊतकों को मजबूती मिलती है जो गर्भावस्था के दौरान कमजोर हो गई होती हैं। जब भी आपको ठीक लगे आप मालिश करवा सकती हैं। आपकी सिजेरियन डिलीवरी हुई हो या नॉर्मल डिलीवरी, पूरी तरह से रिकवर होने में आपको 6 से 8 हफ्ते का समय लगेगा। डिलीवरी के पांच दिन बाद मालिश करवा सकती हैं, लेकिन अगर आपकी सिजेरियन डिलीवरी हुई है तो घाव को पूरी तरह से भरने दें।

आयुर्वेद में डिलीवरी के बाद महिलाओं को 40 दिन तक प्रसूति अवस्था में रहना होता है। इस दौरान मालिश करने से महिलाओं की जल्दी रिकवरी होती है।

मालिश करने के फायदे

*पेट की मालिश करने से गर्भाशय में जमा गंदगी साफ होती है और गर्भाशय को अपने सामान्य आकार में आने में मदद मिलती है। नरम ऊतकों की मालिश से रक्त प्रवाह बेहतर होता है और शरीर से अतिरिक्त फ्लूइड और विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं।

*मालिश से ब्रेस्ट के ऊतक उत्तेजित होते हैं जिससे आसानी से ब्रेस्ट मिल्क निकलने में मदद मिलती है। ब्रेस्ट में कोई गांठ हो तो वो भी ठीक होती है और ब्रेस्ट की रक्त नलिकाओं के अवरूद्ध होने की वजह से होने वाले मैसटिटाइटिस को रोकने में भी मदद मिलती है।

कब नहीं करवानी चाहिए मालिश

एक्जिमा या रैशेज होने पर मालिश नहीं करनी चाहिए। तेल या मसाज प्रोडक्ट्स को निप्पल्स पर न लगाएं और पैराबीन युक्त उत्पादों का प्रयोग न करें। हाई ब्लड प्रेशर और हर्निया जैसी स्वास्थ्य स्थितियों की मरीजों को मालिश करने वाले व्यक्ति को इसकी जानकारी दे देनी चाहिए ताकि इनसे जुड़े प्रेशर प्वाइंट्स को न दबाया जाए। सूजन, तेज सिरदर्द में भी मालिश नहीं करवाएं।

अगर आप सी-सेक्शन डिलीवरी के बाद मालिश करवाना चाहती हैं तो एक से दो हफ्ते बाद ही करवाएं। ऑपरेशन के बाद डॉक्टर से पूछकर ही मालिश शुरू करवाना बेहतर रहता है। जब आपके घाव पूरी तरह से भर जाएं, तभी मालिश करवाना शुरू करना चाहिए।

कान है कुछ खास, बनाए रखिए संजीदा

सभी इंद्रियों में कान की स्थिति विशिष्ट है। शेष सभी इंद्रियों को कम या ज्यादा समय के लिए नियंत्रित किया जा सकता हैएकिंतु कान को आप नियंत्रित नहीं कर सकते। यदि कोई ध्वनि आ रही है, तो वह आपके कानों में जाती ही है। उम्र बढ़ने के साथ ही अक्सर लोगों की सुनने की क्षमता कमजोर होने लगती हैए लेकिन शुरू से ध्यान दिया जाए तो सुनने की आपकी यह विशेष शक्ति हमेशा बरकरार रह सकती है.

सड़क पर होने वाला ट्रैफिक का शोर, ट्रैफिक जाम होने पर लगातार बजने वाले हॉर्नए ये तो कम करना अकेले आपके बस में नहीं हैए लेकिन घर में टीवी या स्टीरियो की वॉल्यूम तो आप कम कर ही सकते हैं। घर में बजने वाले साउंड सिस्टम की वॉल्यूम इतनी ही होना चाहिए कि दरवाजा बंद करने पर आवाज बाहर तक सुनाई न दे। अगर आवाज बाहर के लोग भी आसानी से सुन सकते हैं तो इसका मतलब है यह बहुत ज्यादा है। कार के स्टीरियो सिस्टम के साथ भी यही बात लागू होती है। हेडफोन पर रेडियो या गाने सुनते हों तो यह केवल आपको ही सुनाई देना चाहिए। अगर आपके पास खड़ा व्यक्ति यह बता दे कि आप कौन सा संगीत सुन रहे हैं तो इसका मतलब है कि ये वॉल्यूम कानों के लिए हानिकारक है। अगर आप भी इतनी ऊँची आवाज में सुनने के आदि हैं तो जान लें कि आवाज कम कर लेने में ही भलाई है।

यदि अपने से एक या दो फुट की दूरी पर खड़े व्यक्ति से बात करने के लिए आपको चिल्लाना पड़ रहा हो तो इसका मतलब है कि उस स्थान पर शोर बहुत ज्यादा हो रहा है। ऐसी स्थिति में वहाँ से दूर हो जाएँए यह संभव न हो सके तो इयर प्रोटेक्शन पहन लें।

ईयर प्लग रखें साथ

शोरगुल वाली जगहों पर परेशान होकर कानों में रुई लगा लेने से बहुत फर्क नहीं पड़ता। शोर से बचने के लिए अपने साथ ईयरप्लग रखने की आदत डालें, ताकि भीड़ भाड़ या भारी शोर वाले स्थानों पर फँसने पर कानों को बचाया जा सके। ईयरप्लग काफी छोटे होते हैं और आसानी से बैग या फिर जेब में इन्हें रखा जा सकता है। ये शोर से बचने में बहुत असरकारी होते हैं। खरीदने से पहले शोर कम करने की रेटिंग जरूर देख लेंए इससे यह पता चलता है कि यह किस हद तक शोर को कम कर सकता है। ईयरप्लग की रेटिंग कम से कम 15 डेसिबल होना चाहिए।

क्या आप टीवी और रेडियो एकसाथ चलाकर रखते हैं या फिर कोई आवाज करने वाले उपकरण और टीवी को एक ही कमरे में चलाकर काम करते हैं अगर हाँए तो यह जल्द से जल्द बंद कर दें। एक बार में या तो रेडियो चला लें या फिर टीवी देख लें। दो आवाज करने वाले उपकरण एक साथ चलाने से आवाजों को शोर में बदलते देर नहीं लगती।

दिन में 6.8 एस्प्रिन लेने वालों को कान में सीटियां सुनाई देने लगती हैं या फिर अस्थायी बहरेपन की समस्या भी हो सती है। कई तरह की एंटीबायोटिक दवाएं कानों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। कोई दवा लेने के बाद यदि कम सुनाई देने लगे तो डाक्टर को इस समस्या के बारे में बताएं। हो सकता है कि वे उस दवा का डोज कम करें या दवा बदल दें।

धूम्रपान करने से कानों तक रक्त का बहाव कम हो जाता है। तेज शोर.शराबे से कानों को होने वाली क्षति की प्राकृतिक रूप से जो मरम्मत होती हैएवो तंबाकू के दुष्प्रभावों की वजह से नहीं हो पाती। इसलिएएयदि तंबाकू लेने या धूम्रपान के आदी हों तो तुरंत इसे छोड़ दें।

कॉफी से मिलने वाला कैफीन निकोटिन की तरह ही कानों तक रक्त के प्रवाह को कम कर देता है जिससे सुनने की क्षमता कम होने की आशंका बढ़ जाती है। इसलिएएकॉफी या कैफीन के अन्य स्रोतों की मात्रा कम से कम कर दें। अधिक मात्रा में ये नुकसान करते हैं।

संतुलित आहार

वसा और कॉलेस्ट्रॉल से भरपूर आहार हृदय के अलावा कानों के लिए भी हानिकारक होता है। धमनियों में वसा का जमावड़ा और उच्च रक्तचाप.दोनों कारणों से रक्त का प्रवाह घट सकता है। इसलिएएरोज संतुलित आहार और फल-सब्जियां लेना अन्य अंगो के साथ कानों के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है। मौसंमी फल-सब्जियां, अंकुरित व खड़े अनाज, दालें, सूखे मेवे, खमीरीकृत चीजें सभी बहुत जरूरी होती हैं।

शब्द सामर्थ्य -027

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

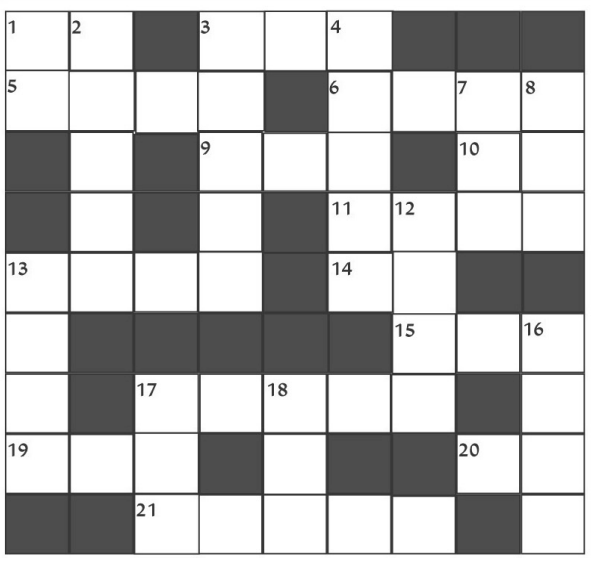

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 26 का हल

वा	स्ता			सि	स	की		
जि		ल	प	ट		मा	चि	स
ब	द	ला		क			ल	
		ट		नी	ल	क	म	ल
ता	ली		का		की			हू
क		स	रो	का	र			लु
झां		ज	बा	न		म	सी	हा
क	च	ना	र		भा	र्या		न
	र्म			ज	र	दा		

जूनियर एनटीआर फैंस के लिए सेलिब्रेशन, 20 मई को आएगी फिल्म से पहली झलक

एनटीआरनील 2027 की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक होने वाली है. मनोरंजन की दुनिया की दो बड़ी ताकतें मैन ऑफ द मासेज जूनियर एनटीआर और केजीएफ व सालार के डायरेक्टर प्रशांत नील जब एक साथ आ रहे हैं, तो यह तय है कि दर्शकों को पर्दे पर एक अनोखा और भव्य सिनेमाई अनुभव देखने को मिलेगा.

जब से एनटीआरनील का ऐलान हुआ है, यह सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बनी हुई है. भारतीय सिनेमा की दो सबसे बड़ी ताकतों, जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील का साथ आना ही इसे 2027 की सबसे बड़ी फिल्मों की कतार में खड़ा कर देता है. बढ़ते उत्साह के बीच, मेकर्स ने एक बेहद रोमांचक पोस्टर जारी किया है और फिल्म की पहली झलक को लेकर बड़ी घोषणा की है, जो एनटीआर के जन्मदिन पर 20 मई को रिलीज होगी.

पोस्टर में एनटीआर का स्टाइल और पावरफुल अवतार फिल्म को लेकर बनी चर्चा को और भी बढ़ा रहा है. 20 मई को आने वाली पहली झलक के साथ फिल्म का क्रेज सातवें आसमान पर पहुंच गया है. एनटीआर के जन्मदिन के मौके पर रिलीज होने वाली यह झलक उन लाखों फैंस के लिए एक खास तोहफा होगी जो उन्हें बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

इसके अलावा, इस फिल्म के लिए एनटीआर के जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन ने सबको हैरान कर दिया है. उनके इस नए लुक की तस्वीरें पहले ही वायरल हो चुकी हैं और फैंस के बीच तहलका मचा रही हैं. उन्हें इस तरह के लुक में पहले कभी नहीं देखा गया, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है.

एनटीआर नील को प्रशांत नील की अब तक की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी फिल्म बताया जा रहा है, जो एक शानदार सिनेमाई अनुभव का वादा करती है. केजीएफ और सालार जैसी बैक-टू-बैक ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के बाद, फैंस यह देखने के लिए बेताब हैं कि प्रशांत नील अब क्या नया लेकर आएंगे. मैन ऑफ द मासेज जूनियर एनटीआर के साथ उनका यह तालमेल भारतीय सिनेमा के सबसे ताकतवर मेल में से एक माना जा रहा है.

फिल्म के ऐलान के बाद से ही इसे लेकर जबरदस्त हलचल है और फैंस हर छोटे अपडेट का इंतजार कर रहे हैं. दो इतने बड़े नामों के साथ आने से यह फिल्म साल की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक बन गई है और हर कोई यह देखने को उत्सुक है कि यह मेगा कोलैबोरेशन बड़े पर्दे पर क्या कमाल दिखाता है. प्रशांत नील के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में एनटीआर लीड रोल में हैं. फिल्म का निर्माण माइथ्री मूवी मेकर्स और एनटीआर आर्ट्स के बैनर तले किया जा रहा है.

फिल्म चांद मेरा दिल का नया गाना ऐतबार जारी!

अनन्या पांडे और लक्ष्य लालवानी की आगामी फिल्म चांद मेरा दिल जैसे-जैसे अपनी रिलीज के करीब आ रही है, इसने लोगों का ध्यान आकर्षित करना शुरू कर दिया है। करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन विवेक सोनी ने किया है। फिल्म का टीजर और टाइटल ट्रैक जारी हो चुका है। अब इसका दूसरा गाना ऐतबार जारी किया गया है। फहीम अबदुल्ला की आवाज में यह गाना दर्द, तड़प और गहन भावनाओं से भरपूर है।

फिल्म के टाइटल ट्रैक के बाद, ऐतबार को दूसरी बार फहीम ने अपनी भावपूर्ण आवाज दी है। जुनूनी प्यार में दिल तोड़ने वाला यह गाना सचिन-जिगर द्वारा संगीतबद्ध और अमिताभ भट्टाचार्य द्वारा लिखित है।

मेकर्स ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर गाने का क्लिप पोस्ट किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, आज तो इश्क दा नाम बदलकर रख दे यार तबाइयांवे। सॉन्ग ऐतबार रिलीज हो गया है। इस गाने के बोल फहीम अब्दुल्ला ने अपनी शानदार आवाज में गाया है, जबकि अमिताभ भट्टाचार्य ने इसके बोल लिखे हैं और सचिन-जिगर ने संगीत तैयार किया है। यह फिल्म कॉलेज के दिनों के हल्के-फुल्के रोमांस से शुरू होती है और धीरे-धीरे एक गहरी तथा दुखभरी प्रेम कहानी में बदल जाती है। फिल्म में संगीत और भावनाओं की गहराई बहुत ज्यादा है। करण जौहर की फिल्मों में संगीत हमेशा खास रहा है। ऐतबार गाना भी उसी परंपरा को आगे बढ़ाता है। गाने को सुनकर लगता है कि प्यार में अलगाव का दर्द कितना गहरा होता है। फिल्म चांद मेरा दिल की कहानी एक लड़के और लड़की की मुलाकात से शुरू होती है। बाद में कुछ गलतफहमियां और परिस्थितियां दोनों को अलग कर देती हैं। यह ट्रैजिक लव स्टोरी दर्शकों को सोचने पर मजबूर करेगी। दृश्यों से साफ है कि यह कहानी प्यार के साथ-साथ अप्रत्याशित चुनौतियों को भी अपने साथ लाने का वादा करती है। फिल्म 22 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इसकी टक्कर वरुण धवन की फिल्म है जवानी तो इश्क होना है से होगी।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

डीएम ने किया ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का निरीक्षण

हमारे संवाददाता

टिहरी। जिला निर्वाचन अधिकारी/प्रभारी जिलाधिकारी वरुणा अग्रवाल ने आज नई टिहरी में स्थापित वेयरहाउस में रखें ईवीएम एवं वीवीपैट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयर हाउस से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली तथा मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया।

प्रभारी जिलाधिकारी ने वेयरहाउस में सुरक्षित रखी गई ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था, रिकॉर्ड के रख-रखाव, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली तथा प्रवेश नियंत्रण व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने एफएलसी हॉल, डबल लॉक सिस्टम सहित वेयरहाउस के विभिन्न ब्लॉकों का भी जायजा लिया और व्यवस्थाओं की स्थिति की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान प्रभारी जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी ने वेयर हाउस में तैनात सुरक्षा व्यवस्थाओं, फायर सेफ्टी उपकरणों तथा अन्य सुरक्षा प्रबंधों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवश्यक मरम्मत सुनिश्चित की जाए, ताकि सुरक्षा मानकों का पूर्ण रूप से पालन किया जा सके। प्रभारी जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए वेयरहाउस की सभी व्यवस्थाओं को समय-समय पर जांचते हुए आवश्यक सुधार कार्य शीघ्र कराए जाएं। निरीक्षण के दौरान एडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी, आईएएस प्रशिक्षु ज्योति, सहायक निर्वाचन अधिकारी विजय तिवारी, बीजेपी प्रतिनिधि जयेंद्र पंवार, कांग्रेस प्रतिनिधि मुरारी लाल खण्डवाल, निर्वाचन से जवाहर सिंह, देवेंद्र कुमार, मनोज भट्ट, अधिशासी अभियंता ग्रामीण निर्माण विभाग विशाल चौहान आदि संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

चमोली के काश्तकार अब सीधे आईटीबीपी को बेच सकेंगे सब्जियां

हमारे संवाददाता

चमोली। उत्तराखण्ड के सीमांत जनपद के काश्तकारों की आय बढाने के उद्देश्य से उत्तराखण्ड औद्यानिक परिषद की ओर से महत्वपूर्ण पहल की गई है। परिषद की ओर से भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) के साथ एक अनुबंध किया गया है। समझौते के अनुसार अब स्थानीय काश्तकार अपने खेतों में उगने वाली सब्जियों का विपणन सीधा आईटीपीबी को कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य के काश्तकारों की आय बढाने को लेकर योजनाबद्ध रूप से कार्य किया जा रहा है। जिसे लेकर उत्तराखण्ड औद्यानिक परिषद की ओर से काश्तकारों की आय को बढाने की मंशा से बीती 1 अप्रैल 2026 को स्थानीय काश्तकारों से सब्जी क्रय करने हेतु अनुबंध किया गया है। आज ज्योतिर्मठ के बड़ागांव के भद्रेश्वर कृषक उत्पादक संगठन द्वारा सब्जी विपणन के साथ जनपद में योजना का संचालन शुरु कर दिया गया है। उपजिलाधिकारी चंद्रशेखर वशिष्ठ ने योजना के तहत सब्जी की पहली खेप ले जा रहे वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। काश्तकारों की ओर से अनुबंध के तहत पहली खेप में 50 किलोग्राम मटर, 8 किलोग्राम लहसुन, 50 किलोग्राम राई, 5 किलोग्राम धनिया और 5 किलोग्राम चुकन्दर की सप्लाई की है। जिससे काश्तकारों की 9 हजार की आय प्राप्त हुई है।

स्थानीय काश्तकार मोहन सिंह कम्दी, सुखदेव सिंह का कहना है कि राज्य सरकार की ओर से किया गया यह अनुबंध स्थानीय काश्तकारों की आय को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगा। अब काश्तकारों अपने उत्पादों के विपणन के लिए बाजारों में नहीं भटकना पड़ेगा। उत्तराखण्ड औद्यानिक परिषद की ओर से किए गए अनुबंध के तहत जोशमीठ के बड़ागांव के काश्तकारों के समूह से सब्जी के विपणन व्यवस्था का शुभारंभ किया गया है। अनुबंध के अनुसार क्षेत्र के कृषक संगठनों को सब्जी के विपणन की व्यवस्था से जोड़ा गया। जो काश्तकारों की आय में बढोत्तरी में सहायक सिद्ध होगा।

चारधाम यात्रा एवं फायर सीजन के दृष्टिगत अग्नि सुरक्षा में सतर्कता बढ़ाई

संवाददाता

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा और फायर सीजन को ध्यान में रखते हुए आग से सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष उपाय किए जा रहे हैं।

आज यहां पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में उत्तरकाशी जिले में अग्निशमन विभाग पूरी तरह सतर्क एवं सक्रिय है। चारधाम यात्रा और फायर सीजन को ध्यान में रखते हुए आग से सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष उपाय किए जा रहे हैं।

फायर सर्विस एवं कोतवाली धरासू की टीम द्वारा नालूपानी और धरासू बैंड क्षेत्र के होटल एवं रेस्टोरेंट में फायर सेफ्टी ऑडिट किया गया। इस दौरान अग्निशमन उपकरणों की स्थिति का निरीक्षण किया गया और उनके सक्रिय संचालन को सुनिश्चित किया गया। सिलेंडर का प्रेशर, नोजल की हालत, एक्सपायरी डेट सब कुछ बारीकी से परखा गया। होटल/रेस्टोरेंट स्वामियों को निर्देश दिए गए कि वे अग्निशमन उपकरणों की नियमित जांच करते रहें और किसी भी आपात स्थिति में उनका सही उपयोग सुनिश्चित करें। इस दौरान फायर की टीम द्वारा होटल/रेस्टोरेंट के स्वामी, प्रबंधक, कर्मचारी और आम लोगों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। प्राथमिक अग्निशमन उपकरणों का संचालन और डेमो प्रदान कर आग से सुरक्षा के प्रशिक्षण दिए गए। प्रैक्टिकल ट्रेनिंग दी गई, ताकि किसी भी आकस्मिक आग दुर्घटना को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सके।

एमबीपीजी में बनेगा 25 करोड़ का पांच मंजिला हाइटेक भवन

हल्द्वानी(आरएनएस)। कुमाऊं के सबसे बड़े डिग्री कॉलेज एमबीपीजी के बुनियादी ढांचे में जल्द ही बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। कॉलेज में बढ़ती छात्र संख्या और संसाधनों की कमी को देखते हुए प्रशासन ने पुरानी लाइब्रेरी और मनोविज्ञान विभाग के जर्जर भवन को तोड़कर पांच मंजिला बहुउद्देशीय भवन बनाने का फैसला किया है। इसका प्रस्तावत बनाकर शासन को भेज दिया है। इस काम पर करीब 25 करोड़ की रकम खर्च होनी है। वर्तमान में कॉलेज की लाइब्रेरी में करीब 1 लाख 6० हजार किताबें उपलब्ध हैं। जगह की कमी के कारण किताबों के रखरखाव और वितरण में कर्मचारियों एवं छात्रों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कॉलेज में 14 हजार से अधिक छात्र अध्ययनरत हैं, जिनके लिए वर्तमान लाइब्रेरी छोटी पड़ रही थी। नए पांच मंजिला भवन को आधुनिक जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। नई लाइब्रेरी को दो फ्लोर में रखा जाएगा। जिससे छात्रों को बैठने और पढ़ने के लिए स्थान मिलेगा। वहीं भवन के अलग-अलग फ्लोर पर मनोविज्ञान, जूलॉजी, भौतिक विज्ञान विभागों को शिफ्ट किए जाने की योजना है। तकनीक के दौर में छात्रों को ग्लोबल एक्सपोजर देने के लिए वर्चुअल क्लासरूम तैयार किए जाने की भी योजना है।

जिले में 3० फीसदी राशन कार्ड धारकों की केवाईसी लंबित

हरिद्वार(आरएनएस)। जिले के 3० फीसदी राशन कार्ड धारकों ने अपना ऑनलाइन सत्यापन नहीं कराया है। विभाग की अपील के बावजूद उपभोक्ता अपनी ई-केवाईसी कराने नहीं पहुंच रहे हैं। निर्धारित समय 3० मई तक अनिवार्य रूप से सत्यापन नहीं करने पर राशनकार्ड और दर्ज यूनिट को विभागीय पोर्टल पर अस्थाई रूप से निष्क्रिय किया जा सकता है। असुविधा से बचने के लिए जिला पूर्ति अधिकारी मुकेश पाल ने उपभोक्ताओं से ई केवाईसी कराने की अपील की है। जिला खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग राशन कार्ड में दर्ज यूनिटों की केवाईसी कर रहा है। जिले में 7० फीसदी राशन कार्डों की ई केवाईसी पूरी हो चुकी है। विभाग तीन लाख 22 हजार राशन कार्डों का सत्यापन कर चुका है। लेकिन एक लाख 38 हजार राशन कार्ड उपभोक्ताओं ने अपनी ई केवाईसी नहीं कराई है। इसके लिए उपभोक्ताओं को अपने राशन डीलर के पास पहुंच कर अंगूठे के निशान रिकॉर्ड कराने अनिवार्य है। उपभोक्ता खुद भी एप्लिकेशन से माध्यम से अपनी ई केवाईसी करा सकते है। जिले में करीब 6०4 सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों से राशन कार्ड धारकों को सरकारी राशन उपलब्ध कराया जाता है। जिला में उपभोक्ताओं के करीब चार लाख 6० हजार राशन कार्ड बने हुए है।

सू- दोकू क्र. 027

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.26 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

दोहा में विदाई के गीत और कचटा में स्वागत गान

विकासनगर(आरएनएस)। दोहा गांव में देवता को विदा करने के लिए एकत्र हुए लोग पूरी रात भक्ति में डूबे रहे। गांव में महाराज की यात्रा में शामिल होने पहुंचे खत कोरू के साथ ही खत सैली और आसपास के हजारों श्रद्धालु भी दोहा पहुंचे थे। दोहा गांव में इकठ्ठा हुए हजारों श्रद्धालु रात जागड़ा कर विदाई गीतों के साथ ही महाराज का गुणगान करते रहे।

मंदिर प्रांगण में पारंपरिक लोकनृत्यों का दौर चलता रहा। श्रद्धालुओं ने देव हारुल पर नृत्य कर देवता को नमन किया। खत सैली के ग्रामीण महाराज के जाने से व्यथित थे। लोग यहां विदाई गीत गा रहे थे। उधर, खत कोरू के लोगों में महाराज के आने की खुशी थी और लोग स्वागत गीत गा रहे थे। खत सैली के सदर स्याणा राजेंद्र सिंह तोमर, जवाहर सिंह, रोशनी देवी, सरदार सिंह, बारू सिंह, झूलो देवी का कहना है कि महाराज की सेवा का यह मौका जो उनकी खत को मिला था, उसके लिए वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं। चालदा मंदिर समिति खत सैली, दोहा ने विदाई कार्यक्रम को संपन्न कराने में सहयोग देने के लिए प्रशासन का भी आभार जताया। गुरुवार दोपहर 12.3० बजे कालसी ब्लॉक के खत सैली के दोहा गांव से निकली चालदा महाराज की प्रवास यात्रा शाम छह बजे कालसी ब्लॉक के खत कोरू के कचटा गांव पहुंची। ग्रामीणों ने देव पालकी और चिह्नों का पुष्प वर्षा के साथ धूप से आरती कर स्वागत किया। महाराज को लेने दोहा पहुंचे ग्रामीण एक जैसी वेशभूषा में जब महाराज की पालकी को कचटा के लिए लेकर निकले तो नजारा देखते ही बन रहा था। मुख्य सड़क के साथ ही जंगल और पगडंडियों से होते हुए सात घंटे की पैदल यात्रा के बाद शाम छह बजे महाराज की पालकी कचटा पहुंची। यहां देव बजगियों ने ढोल और बाजे पर देवधुन बजाई। पारंपरिक वेशभूषा में उपस्थित महिलाओं, पुरुषों ने धूप-दीप जलाकर पुष्प वर्षा कर महाराज की पूजा कर उनका स्वागत किया। चालदा महाराज के कचटा गांव पहुंचते ही लोगों की आंखें खुशी से छलक गईं। अपने आराध्य के स्वागत के लिए पलक पावड़े बिछाए ग्रामीणों का इंतजार शाम जब समाप्त हुआ तो श्रद्धा से सभी के सिर झुक गए। पारंपरिक घाघरा चोली पहने महिलाएं और एक समान सूट पहने गांव की युवतियों के साथ कुर्ते पायजामे की पोशाक में पुरुषों ने महाराज का स्वागत किया। महाराज के नव निर्मित मंदिर में विराजमान होते ही ग्रामीणों ने देव हारुल पर नृत्य अभिनंदन किया।

मान्यता है कि महासू देवताओं के पूरे ब्रह्मांड में नौ लाख रूप हैं। इन नौ लाख रूपों के कारण महासू देवों को नौ लाखी महासू भी कहते हैं। ये दिल्ली, सिरमौर, कुल्लू, कश्मीर, रवाई, बसेर और काली कुनाऊर तक सर्वत्र व्याप्त हैं। इनके प्रचंड तामसिक 52 वीरों के अंश सभी देवातओं के साथ हैं।

समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की आवश्यकता पर जोर

हरिद्वार(आरएनएस)। महिला सुरक्षा, सामाजिक सम्मान और बच्चों के बेहतर भविष्य को लेकर रोशनाबाद स्थित महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में महिलाओं की सुरक्षा, अधिकारों और सामाजिक संवेदनशीलता जैसे मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा करते हुए समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। बैठक में डॉ. मनु शिवपुरी, डीपीओ हरिद्वार अविनाश भदौरिया, खंड विकास अधिकारी रुड़की सुमन कुटियाल, वरिष्ठ पत्रकार शशि शर्मा तथा अधिवक्ता रश्मि उपाध्याय मौजूद रहीं। इस दौरान महिला सुरक्षा और अस्मिता से जुड़े विभिन्न अभिलेखों का अध्ययन किया गया तथा उनके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में समाज में बढ़ रहे भटकाव और बदलती मानसिकता को सुधारने की आवश्यकता है। बैठक में बच्चों के प्रति माता-पिता की जिम्मेदारी, स्कूल-कॉलेजों का वातावरण और कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

चिकित्सक अब पर्चियों में जेनेरिक दवाएं ही लिखेंगे, ब्रांडेड नहीं

कोटद्वार(आरएनएस)। बेस अस्पताल में कार्यरत नियमित एवं संविदा चिकित्सक अब मरीजों को बाहर की दवाइयां ब्रांड नेम से नहीं लिख सकेंगे। चिकित्सक जरूरत पड़ने पर मरीजों को केवल जेनेरिक नेम से ही दवाइयां पर्ची में लिख सकेंगे। मरीजों को सभी दवाइयां अस्पताल से ही उपलब्ध कराई जाएगी। मानवाधिकार आयोग के आदेश के बाद प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक (पीएमएस) ने बेस अस्पताल में कार्यरत सभी चिकित्सा अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए हैं। पदमपुर सुखरो निवासी वरिष्ठ नागरिक बीएम गौड़ ने बताया कि बेस अस्पताल में दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक होने के बावजूद मरीजों को चिकित्सालय के बाहर मेडिकल स्टोरों से महंगी दवाइयां लिखी जा रही थी। इस बारे में कई बार मरीज और उनके तीमारदारों की ओर से शिकायतें मिल रही थी। उन्होंने मामला पीएमएस के समक्ष उठाया था जिस पर पीएमएस की ओर से बीते वर्ष 2० मई को सभी चिकित्साधिकारियों को केवल जेनेरिक नेम से ही दवाइयां पर्ची पर लिखने के निर्देश दिए गए थे लेकिन इसका अनुपालन नहीं हो रहा था। जिस पर उन्होंने मामले की शिकायत मानवाधिकार आयोग से की। आयोग ने मामले का निस्तारण करते हुए बेस अस्पताल प्रशासन को इस संबंध में कार्रवाई के आदेश जारी किए। आयोग के आदेश के बाद बेस अस्पताल के पीएमएस डॉ. विजय सिंह ने बेस अस्पताल में कार्यरत सभी नियमित एवं संविदा चिकित्सा अधिकारियों को मरीजों की पर्चियों में चिकित्सालय में उपलब्ध दवाइयां व जेनेरिक दवाइयां ही लिखने व मरीजों को बाहर की दवाइयां कदापि न लिखने के निर्देश दिए हैं।

चेक बाउंस मामलों के निस्तारण के लिए विशेष लोक अदालत

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रुद्रप्रयाग की ओर से चेक बाउंस से जुड़े मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए आगामी 18 जुलाई और 21 नवंबर को विशेष लोक अदालत आयोजित की जाएगी। लोक अदालत जिला न्यायालय परिसर में होगी। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पायल सिंह ने बताया कि लोक अदालत में कोई न्यायालय शुल्क नहीं लगता और पहले से जमा शुल्क भी वापस किया जा सकता है। लोक अदालत का निर्णय दोनों पक्षों पर बाध्यकारी होता है और सिविल न्यायालय के समान प्रभाव रखता है।

सालभर में पांच गर्भवती महिलाओं की मौत

नई टिहरी(आरएनएस)। स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव या मरीज को समय पर सही उपचार नहीं मिलने के कारण यहां सालभर में ही पांच गर्भवती महिलाओं को अपनी जान गवांनी पड़ी है जिससे स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल उठते रहे हैं। पांच मई को पोखार निवासी एक गर्भवती महिला की मौत के बाद फिर से स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली पर सवाल उठाए गए लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने इसके कई कारण गिनाते हुए मरीज को समय पर अस्पताल पहुंचाने में हुई देरी को ही मुख्य कारण बताया है।

पहाड़ी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग चलती आ रही है। तमाम प्रयासों के बाद स्वास्थ्य उपकरण और चिकित्सकों की तैनाती के बाद भी मरीज को रेफर करने की परंपरा नहीं टूट पा रही है। स्वास्थ्य विभाग की मानें तो जिले में स्वीकृत 234 चिकित्सकों के सापेक्ष 2०4 चिकित्सक कार्यरत हैं।

अभी ईएनटी और रेडियोलॉजिस्ट के पद रिक्त हैं बावजूद इस महीने ईएनटी विशेषज्ञ मिलने की उम्मीद है। रेडियोलॉजिस्ट का जिला अस्पताल, नरेंद्रनगर, बेलेश्वर, हिंडोलाखाल और देवप्रयाग में रोस्टर बनाया गया है।

बावजूद अगस्त 2०25 से अभी तक पांच गर्भवती महिलाओं की मौत ने स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल उठाए हैं। सभी मामलों में सीएचसी से रेफर करने के कुछ घंटे बाद ही मौत की सूचना मिली है। स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार किए जा रहे सुधार के बावजूद गर्भवती महिलाओं की मौत पर सीएमओ डॉ. श्याम विजय ने कहा कि पोखार निवासी आरती की मौत के बाद जो स्थिति सामने आई है उस स्थिति में मौत का कारण गर्भ ट्यूब में विकसित होना भी हो सकता है। बावजूद पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। जबकि अन्य मामलों में गर्भवती महिलाओं का मौत का कारण हाइपरटेंशन, रक्त वाहिनी में खून जमने, ब्लड प्रेशर बढ़ने और उनमें एक महिला की तो ओपन हार्ट सर्जरी हुई थी। पोखार की आरती मामले में भी परिजन प्राइवेट क्लीनिक ले जाने के बजाए पहले ही उसे सीएचसी बेलेश्वर में भर्ती कराना चाहिए था।

कमर्शियल गैस के दामों में वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

❑सरकार पर लगाया जनविरोधी होने का आरोप

हमारे संवाददाता

देहरादून। कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस ने राजीव कॉम्प्लेक्स के पास जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में व्यापारी वर्ग भी शामिल हुआ। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए बढ़े हुए दामों को तत्काल वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता और विशेषकर छोटे व्यापारी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं, जबकि सरकार केवल आश्वासन दे रही है। इस मौके पर कांग्रेस के पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा, पूर्व विधायक राजकुमार, प्रदेश महामंत्री वीरेंद्र पोखरियाल और कांग्रेस व्यापार प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुनील कुमार बंघा ने सरकार पर तीखा हमला बोला। लालचंद शर्मा ने कहा कि कमर्शियल गैस के दाम बढ़ने से छोटे व्यापारियों, होटल-ढाबा संचालकों और रेहड़ी-पटरी वालों की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ रही है। पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि सरकार महंगाई रोकने में पूरी तरह विफल है और जनता पर लगातार बोझ डाला जा रहा है। वीरेंद्र पोखरियाल ने कहा कि सरकार की नीतियां जनविरोधी हैं और कांग्रेस इस मुद्दे को लगातार उठाती रहेगी। सुनील कुमार बंघा ने कहा कि व्यापारी पहले ही कठिन परिस्थितियों से गुजर रहे हैं, ऐसे में गैस के दामों में वृद्धि ने व्यापार को और मुश्किल में डाल दिया है। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से हरिओम, आसरे जाली, अर्जुन सोनकर, पार्षद अनिल कपूर, पार्षद प्रमोद, मनमोहन बिट्टू, गोसाई राजेश, सिंह महताब आलम, हैप्पी डोरा, भासीन, संजय मेडिकल, चमन लाल, राजेंद्र सिंह घई, शिव सोनकर,पार्षद वीरेंद्र बिष्ट, हिमांशु बिष्ट. महेश राज, बिजेंद्र, सुरेश कुमार पार्श्व बबलू, वसीम, भूरा भाई, हिमांशु खुराना, रजत कुमार, शमशाद आलम सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

एटीएम फ्रॉड गिरोह का पर्दाफाश, दो शातिर दबोचे

हमारे संवाददाता

देहरादून। एटीएम फ्राड गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से 17 एटीएम कार्ड व घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की गयी है। आरोपी एटीएम बूथों के आसपास रेकी कर बुजुर्गों, महिलाओं व कम पढ़े-लिखे लोगों को निशाना बनाया करते थे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने जानकारी देते हुए बताया कि एटीएम ठगी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली बहादराबाद को क्षेत्र में एटीएम फ्रॉड से जुड़ी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए विशेष टीम गठित करने के निर्देश दिए गए थे। निर्देशों के अनुपालन में बहादराबाद पुलिस द्वारा अलग-अलग टीमों का गठन कर बैंक एवं एटीएम बूथों के आसपास संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी शुरू की गई। बताया कि बीते रोज पुलिस एटीएम बूथ, बहादराबाद पीपल चौक के पास चैकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक बिना नंबर प्लेट की काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक पुलिस को देखकर अचानक बाइक मोड़कर पुराना पथरी पावर हाउस की ओर भागने लगे। संदेह होने पर पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों युवकों का पीछा किया। भागने के दौरान बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिसके बाद दोनों युवक झाड़ियों की ओर भागने लगे। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आवश्यक बल प्रयोग करते हुए दोनों को मौके पर ही पकड़ लिया। पूछताछ में चालक युवक ने अपना नाम शिवा उर्फ शिव पुत्र राजेश निवासी फेरुपुर महाराणा प्रताप कॉलोनी, थाना पथरी, जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसके कब्जे से एक मोबाइल 200 रूपये की नगदी, एक पर्स तथा विभिन्न बैंकों के कुल 10 एटीएम कार्ड बरामद हुए।

वहीं दूसरे युवक ने अपना नाम मधुसूदन उर्फ मनोज पुत्र चरण सिंह निवासी गढ़मीरपुर, थाना रानीपुर, जनपद हरिद्वार बताया। उसकी तलाशी में एक वन प्लस मोबाइल, 700 रूपये नकद, पर्स तथा 7 एटीएम कार्ड बरामद हुए। बरामद एटीएम कार्डों के संबंध में पूछताछ करने पर दोनों कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। सख्ती से पूछताछ करने पर दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे पहले भी एटीएम बदलकर ठगी करने के मामलों में जेल जा चुके हैं। आरोपियों ने बताया कि वे एटीएम बूथों में बुजुर्ग, महिला एवं कम पढ़े-लिखे लोगों की मदद करने के बहाने उनका एटीएम कार्ड बदल लेते थे और बाद में दूसरे एटीएम से उनके खातों से पैसे निकालकर ठगी करते थे।

नगर आयुक्त की अध्यक्षता में फेरी समिति की बैठक सम्पन्न

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली के अनुसार हरिद्वार नगर आयुक्त के कार्यालय पर नगर आयुक्त नंदन कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार देर शाम फेरी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नए वित्तीय वर्ष के स्ट्रीट वेंडर्स को निर्गत किया जा रहे लाइसेंस विक्रय प्रमाण पत्र और कारोबार की जगह सुनिश्चित करना शहरी स्थानीय निकाय मिशन योजना के तहत नए वेंडिंग जोन विकसित करना व चलाए मान स्ट्रीट वेंडर्स को व्यवस्थित करना व अन्य क्षेत्रों में स्ट्रीट वेंडर्स के लिए प्रतिबंधित वेंडिंग जोन जैसे विषयों पर चार बिंदुओं का एजेंडा सिटी मेंशन मैनेजर अंकित रमोला वरिष्ठ लिपिक शिव सिंह चौहान द्वारा प्रस्तुत किया गया।

स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारी संगठनों का प्रतिनिधित्व करते हुए फेरी समिति सदस्य लघु व्यापार एसो के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कुंभ मेला क्षेत्र व शहरी क्षेत्र में उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली शहरी स्थानीय निकाय मिशन योजना के तहत आगामी कुंभ मेला 27 के दृष्टिगत दीपावली से पूर्व नए वेंडिंग जोन के भी प्रस्ताव फेरी समिति के अध्यक्ष ने नगर आयुक्त नंदन कुमार के सम्मुख प्रेषित किया। इस अवसर पर नगर आयुक्त नंदन कुमार द्वारा उत्तराखंड सरकार के निर्देशन में नगरी फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार दीनदयाल उपाध्याय पार्किंग के नजदीक वेंडिंग जोन भगत सिंह चौक से सेक्टर 2बैरियल के वेंडिंग जोन उत्तरी हरिद्वार दूधाधारी चौक पवन धाम के सामने चार वेंडिंग जोन की वित्तीय स्वीकृति के लिए शासन को प्रस्ताव प्रेषित किए गए थे। जिसमें दो वेंडिंग जोन की वित्तीय स्वीकृति दी जा चुकी है अग्रिम आदेशों के अनुपालन के साथ शहरी स्थानीय निकाय मिशन योजना के तहत नगर निगम में सभी पंजीकृत स्ट्रीट वेंडर्स को व्यवस्थित ढंग से सरकार के संरक्षण में स्वरोजगार मुहैया करने की कार्रवाई प्रचलन में है।

इस अवसर पर फेरी समिति सदस्य लघु व्यापार एसो के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा केंद्र और राज्य सरकार का आभार प्रकट करते हुए नगर आयुक्त नंदन कुमार का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहां कि फेरी समिति की बैठक में सभी बिंदुओं पर रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर संगठनों में अपनी सहमति जताई है उन्होंने कहा आगामी कुंभ मेला 27 की दृष्टिगत सभी क्षेत्रों का सर्वे कराकर नगर निगम में पंजीकृत सभी रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों को प्राथमिकता के आधार पर स्वरोजगार के स्थान चिन्हित करें। बैठक में पुलिस प्रशासन सिंचाई विभाग उत्तर प्रदेश उत्तराखंड रुड़की हरिद्वार विकास प्राधिकरण बैंक लीड अधिकारी नगर निगम प्रशासन के अधिकारी कर्मचारियों के साथ फेरी समिति सदस्य राजकुमार ,कमल सिंह, तस्लीम अहमद,मोनू तोमर ,सुमन गुप्ता ,आशा कश्यप, अन्य व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों में सुनील कुकरेती, फूल सिंह, मोहनलाल, उमेश कुमार ,जय भगवान आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

नशा कारोबार का फरार गैंग लीटर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। नशा कारोबार में लगातार संलिप्त रहने वाले गैंगस्टर एक्ट के मामले में फरार चल रहे गैंग लीडर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार थाना मोरी पुलिस द्वारा सितंबर 2025 में थाना मोरी क्षेत्र में अवैध नशे के कारोबार में लगातार संलिप्त रहने पर गैंग लीडर चैन सिंह सहित 3 आरोपियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 (गैंगस्टर एक्ट) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही पुलिस द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी के लगातार प्रयास किए जा रहे थे, लेकिन आरोपी लगातार पुलिस से बचते हुए फरार चल रहे थे। पुलिस उपाधीक्षक बड़कोट चंचल शर्मा के निकट पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष मोरी, दीपक रावत के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा सटीक सूचना संकलन करते हुए कल देर शाम दबिश देकर गैंग लीडर चैन सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

अग्निवीर योजना के विरोध में कांग्रेस का राज्यव्यापी आंदोलन सम्पन्न

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष कर्नल रतन नेगी के नेतृत्व में अग्निवीर भर्ती योजना के विरोध में चलाया गया उत्तराखण्ड कांग्रेस का राज्यव्यापी आंदोलन आज अपने चौथे चरण में ऊधमसिंह नगर, चम्पावत एवं चमोली में सम्पन्न हो गया है।

इस राज्यव्यापी आंदोलन के प्रथम चरण में गढ़वाल मंडल के कोटद्वार एवं लैंसडाउन में कार्यक्रम आयोजित किए गए। द्वितीय चरण में कुमाऊँ मंडल के रामनगर, रानीखेत, अल्मोड़ा एवं हल्द्वानी में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुआ। तृतीय चरण में देहरादून, विकासनगर, चकराता, बड़कोट, उत्तरकाशी, नरेंद्रनगर एवं मसूरी सहित विभिन्न क्षेत्रों में आंदोलन आयोजित किए गए। वहीं चतुर्थ एवं चरण में खटीमा, चम्पावत, बाजपुर, रुद्रपुर, नैनीताल एवं अन्य स्थानों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पूर्व सैनिकों ने जोरदार प्रदर्शन कर केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की। इस आंदोलन में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत सहित प्रदेश कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, पूर्व सैनिक, युवा एवं कांग्रेस कार्यकर्ता विभिन्न स्थानों पर शामिल हुए। आंदोलन को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष कर्नल रतन नेगी ने कहा कि उत्तराखण्ड को वीर सैनिकों की भूमि कहा जाता है तथा राज्य के लगभग 75 प्रतिशत परिवारों का सेना से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष जुड़ाव रहा है। प्रदेश के युवाओं का सपना देश की सेना में भर्ती होकर राष्ट्र सेवा करना रहा है, किन्तु केंद्र सरकार द्वारा सेना भर्ती की अवधि को मात्र चार वर्ष तक सीमित कर देने से प्रदेश के युवाओं में भारी निराशा एवं आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने कहा कि अग्निवीर योजना युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है तथा इससे सेना की परंपरागत व्यवस्था एवं युवाओं के स्थायी रोजगार के अवसर प्रभावित हो रहे हैं। कांग्रेस पार्टी लगातार इस जनविरोधी योजना का विरोध करती रही है और आगे भी युवाओं की आवाज को मजबूती से उठाती रहेगी। कर्नल रामरतन नेगी ने केंद्र सरकार से मांग करते हुए कहा कि अग्निवीर योजना को तत्काल समाप्त किया जाए ताकि उत्तराखण्ड के युवा पुनः सम्मानपूर्वक भारतीय सेना में भर्ती होकर देश सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि पांचवा एवं अंतिम चरण 9 मई से जनपद रुद्रप्रयाग व चमोली में संपन्न होगा। प्रेस वार्ता में प्रदेश महामंत्री राजेंद्र सिंह भंडारी, कैप्टन गोपाल सिंह गढ़िया, सूबेदार बलबीर सिंह, पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा, कैप्टन कुशाल सिंह राणा, जयदीप सिंह, हवलदार रणबीर लाल, डॉ आर पी ध्यानी आदि उपस्थित रहे।

पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

हमारे प्रतिनिधि

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के नेता सुवेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस दौरान सुवेंदु अधिकारी के साथ 5 मंत्रियों ने शपथ ली। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर एन रवि ने पांचों मंत्रियों को मंत्री पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। कोलकाता के मशहूर ब्रिगेड परेड मैदान में भारतीय जनता पार्टी के नेता सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। इस दौरान नई सरकार में ब्राह्मण, आदिवासी, महिला और मातुआ सभी जातियों का समावेश है।

ब्रिगेड परेड मैदान में खड़गपुर सदर से विधायक दिलीप घोष ने मंत्री पद की शपथ ली। भाजपा नेता आसनसोल दक्षिण से विधायक अग्निमित्रा पॉल ने मंत्री पद की शपथ ली। वह दूसरी बार बीजेपी विधायक बनी हैं। उन्हें बनगांव उत्तर विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुना गया था। पश्चिम बंगाल में बनगांव उत्तर से विधायक अशोक कीर्तनीय ने मंत्री पद की शपथ ली। वे मतुआ समुदाय से आते है। बंगाल में बीजेपी के आदिवासी चेहरे क्षुदीराम टुडू ने मंत्री पद की शपथ ली। क्षुदीराम टुडू पेशे से सरकारी स्कूल में शिक्षक है। उन्हें रानीबांध सीट से पहली बार विधायक के रूप में चुना गया। निसिथ प्रमाणिक ने मंत्री पद की शपथ ली। कूचबिहार से पहले सांसद थे और अब वे माथाभांगा सीट से विधायक बने है। उन्होंने टीएमसी से राजनीति की शुरुआत की। उन्होंने 2019 में भारतीय जनता पार्टी को ज्वाइन किया था।

रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर ब्रिगेड परेड मैदान शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा, समेत तमाम दिग्गज नेता मौजूद रहे।

शपथ ग्रहण से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा संसदीय दल की बैठक में सुवेंदु अधिकारी के नाम का ऐलान भाजपा विधायक दल के नेता के रूप में किया था। इसके बाद सुवेंदु अधिकारी ने नियमों के अनुसार लोक भवन पहुंचे थे। यहां उन्होंने राज्यपाल आरएन रवि के सामने नई सरकार बनाने का दावा पेश किया था।

श्री केदारनाथ धाम पहुंचे राज्यपाल, श्रद्धालुओं से किया संवाद

हमारे संवादाता

रूद्रप्रयाग। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) आज श्री केदारनाथ धाम पहुंचे, जहां उन्होंने बाबा केदार के दिव्य दर्शन कर यात्रा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया एवं विश्व कल्याण, मानवता की समृद्धि तथा उत्तराखण्ड के सतत विकास की कामना की।

राज्यपाल ने अत्यंत अल्प समय में ही बाबा के दर्शन किए, जिससे श्रद्धालुओं की दर्शन व्यवस्था प्रभावित नहीं हुई। उनके आगमन के दौरान एक पल के लिए भी श्रद्धालुओं को दर्शन हेतु नहीं रोका गया तथा पूरी व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होती रही। राज्यपाल ने इस व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों की सराहना की। अपने भ्रमण के दौरान राज्यपाल ने मुख्य रूप से श्रद्धालुओं से संवाद स्थापित कर यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर उनका फीडबैक एवं सुझाव प्राप्त किए। उन्होंने विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं से मुलाकात कर उनके यात्रा अनुभव जाने तथा प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। श्रद्धालुओं ने यात्रा मार्ग, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, स्वच्छता एवं दर्शन व्यवस्था को लेकर संतोष व्यक्त किया। राज्यपाल ने कहा कि बाबा केदार के दर्शन प्राप्त होना अत्यंत सौभाग्य एवं आध्यात्मिक अनुभूति का विषय है। उन्होंने कहा कि श्री केदारनाथ धाम में विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं से संवाद स्थापित कर उनके सुझावों एवं समस्याओं को सुनने का अवसर मिला।

ले.ज. एनएस राजा सुब्रमणि बने चीफऑफ डिफेंस स्टाफ

नई दिल्ली (हप्र.)। भारत सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ नियुक्त किया है। वे पदभार ग्रहण करने की तारीख से लेकर अगले आदेश तक भारत सरकार के सैन्य मामलों के विभाग में सचिव के रूप में भी कार्य करेंगे। वर्तमान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, जनरल अनिल चौहान, 30 मई 2026 को अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल एन.एस. राजा सुब्रमणि 1 सितंबर 2025 से राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के पद पर कार्यरत हैं। इससे पहले, वे 1 जुलाई 2024 से 31 जुलाई 2025 तक थल सेना के उप-प्रमुख और मार्च 2023 से जून 2024 तक मध्य कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ थे। एन. एस. राजा सुब्रमणि का वर्दी में शानदार सफर नेशनल डिफेंस एकेडमी से शुरू हुआ और दिसंबर 1985 में उन्हें 'द गढ़वाल राइफल्स' में कमीशन मिला। अपने पूरे करियर के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि ने अलग-अलग तरह के ऑपरेशनल और भौगोलिक क्षेत्रों में कमांड, स्टाफ और ट्रेनिंग से जुड़े कई अहम पदों पर काम किया है।

लाखों की स्मैक सहित दो नशा तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। नशा तस्करी में लिप्त दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से करीब तीन लाख रूपये की स्मैक बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह कोतवाली डोईवाला पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले सामान की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को बालकुआंरी चौक लालतप्पड के समीम दो संदिग्ध व्यक्ति आते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उन्हे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान

उनके पास से 11.41 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उन्होने अपना नाम नितिन पुत्र जयपाल सिंह निवासी रेस कोर्स न्यू बस्ती, सी- ब्लॉक देहरादून व अनूप पुत्र गिरीश चंद निवासी सोनला थाना नंदप्रयाग कर्णप्रयाग चमोली बताया। बताया कि आरोपी स्वंय भी नशे के आदी है तथा उक्त दोनो घूम-घूमकर देहरादून/ डोईवाला क्षेत्र मे टैक्सी चालको/मजदूरो आदि को ऊंचे दामों में स्मैक बेचते है, जिससे उन्हें मुनाफा भी हो जाता है तथा स्वयं के नशे के पैसे भी मिल जाते है। बहरहाल पुलिस ने उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने किया एनआईसी कार्यालय के नवीनीकृत परिसर का उद्घाटन

हमारे संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने आज कलेक्ट्रेट स्थित नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) कार्यालय के नव-नवीनीकृत परिसर का उद्घाटन किया। जिलाधिकारी के विशेष प्रयासों से कार्यालय का आधुनिक सुविधाओं के अनुरूप रिनोवेशन कराया गया है, जिससे कार्यालय की कार्यप्रणाली अधिक सुव्यवस्थित, तकनीक-सक्षम एवं प्रभावी बन सकेगी।

नवीनीकरण कार्य के अंतर्गत जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, अपर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी सहित समस्त तकनीकी एवं स्टाफ ऑपरेटरों के लिए बेहतर कार्यस्थल, आधुनिक संसाधन तथा आवश्यक सुविधाएं विकसित की गई हैं। कार्यालय परिसर को तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किए जाने से कर्मचारियों को कार्य निष्पादन में अधिक सहूलियत मिलेगी और डिजिटल सेवाओं की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि एनआईसी शासन और प्रशासन की डिजिटल व्यवस्थाओं की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। कार्यालय के सुदृढ़ीकरण से ई-गवर्नेंस से जुड़ी गतिविधियों को नई गति मिलेगी तथा विभिन्न विभागों के कार्यों का संचालन और अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के सफल एवं सुचारु संचालन में यह व्यवस्था अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। इस मौके पर एनआईसी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नवीन सुविधाओं से कार्यक्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा कार्य निष्पादन में सरलता और गति आएगी। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी ने कहा कि शासन की विभिन्न डिजिटल सेवाएं अब अधिक सुगमता, पारदर्शिता और दक्षता के साथ आम जनता तक पहुंच सकेंगी, जिससे इस पहल का प्रत्यक्ष लाभ नागरिकों को मिलेगा।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, अपर जिलाधिकारी (वि. रा) केके मिश्रा, एसडीएम सदर कुमकुम जोशी, सचिवालय एनआईसी राज्य इकाई प्रमुख (उप महानिदेशक) अरविंद कुमार दाधीचि, अपर राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी राजीव जोशी, वरिष्ठ निदेशक आईटी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अंकुश पाण्डे, अपर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी दीप्ति चमोली तथा अर्थ एवं संख्याधिकारी शशि कांत गिरी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।